UGC Journal. No. 45489 ISSN NO – 2321-5488 Impact Factor – 5.7
Vol: 6 Issue: 12 April 2019
3 - EOI10.11229/researchdirections/April19/03

# भाजपा के घोषणा पत्र का तुलनात्मक विश्लेषण (2004–2014 तक के आम चुनावों के सन्दर्भ में)

**पुष्पक मीणा**
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग,
मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर

**प्रस्तावना :**

सबसे पहले 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी। इसके बाद 1977 में उसका विलय जनता पार्टी में हो गया।

**"सूरज निकलेगा कमल खिलेगा" कई जनसंघ के दीप में तेल नहीं, सत्ता चलाना कोई खेल नहीं और वहां से हम चले और आज यहाँ तक पहुंचे।"**
**– अटल बिहारी वाजयेपी**

6 अप्रेल, 1980 में भाजपा की स्थापना हुई। अटल बिहारी वाजपेयी पार्टी के पहले अध्यक्ष बने, आडवानी उनके सारथी। दोनो नेताओं ने अछूत मानी जाने वाली पार्टी को सत्ता के शीर्ष तक पहुंचा दिया। अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण अडवानी के बाद मोदी युग आया जिसमे मोदी की लहर आंधी की तरह आयी जिसमे देखते ही देखते बवंडर बन गयी। नरेन्द्र मोदी ने 10 साल बाद केन्द्र में सत्ता वापसी कराई राज्यों में भी भाजपा की ताकत कई गुना बढ गई। आज की तारीख में राज्यों में भाजपा और उनके सहयोगीयों का परचम लहरा रहा है।

भाजपा ने 2014 के आम चुनावों में नरेन्द्र मोदी पर दाव आजमाया राजनाथ सिंह ने ऐलान कि पार्टी के प्रधानमन्त्री के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी होगे। उसके बाद मोदी ने खुद को चुनावों में झोक दिया। जिसका परिणाम पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। इससे पूर्व चुनाव में नरेन्द्र मोदी को चुनाव प्रभारी और 2014 के चुनावों में प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाया यहां से मोदी युग शुरू हुआ। नरेन्द्र मोदी परदे पर और अमित शाह परदे के पीछे से कारीगरी कर रहे थे।

दोनो की जुगलबंदी रंग लायी। भाजपा को देशभर में प्रचंड़ बहुमत मिला। कभी दो सीटो से शुरूआत करने वाली भाजपा 282 सीटों पर पहुच गयी।

**भाजपा का गठन :–**

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय कार्य समिति द्वारा दोहरी सदस्यता को अस्वीकार कर दिए जाने पर श्री लालकृष्ण आडवाणी द्वारा दिल्ली में 6 अप्रेल, 1980 को जनता पार्टी के सदस्यों का एक दिवसीय सम्मेलन बुलाया गया, जो दोहरी सदस्यता के प्रश्न को सही मुद्दा नहीं मानते थे। इस सम्मेलन में लगभग 4000 प्रतिनिधि शामिल हुए। सम्मेलन में भूतपूर्व जनसंघ दल को पुनर्जीवित करने के स्थान पर एक नए दल 'भारतीय जनता पार्टी' की स्थापना की गयी। श्री अटल बिहारी वाजपेयी को इस नवीन दल का अध्यक्ष और श्री लाल कृष्ण आडवाणी, सिंकदर बख्त तथा मुरली मनोहर जोशी को दल का महासचिव नियुक्त किया गया। भूतपूर्व जनसंघ के सदस्य तो शामिल हुए है। अन्य भी शामिल हुए। जिनका जनसंघ या राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से कोई सम्बन्ध नहीं रहा, पार्टी ने जय प्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति तथा गांधीवादी अर्थदृष्टि को अपना आदर्श बनाए और 6 मई 1980 को जारी किये अपने आधारभुत नीति वक्तव्य में पार्टी को 5 निष्ठाओं से प्रतिबद्ध किया। ये निष्ठाएं है।

1. राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय समन्वय
2. लोकतंत्र प्रभावकारी धर्मनिरपेक्षता

3. गांधीवादी समाजवाद और सिद्धान्तों पर आधारित साफ–सुथरी राजनीति

भाजपा ने अपनी पार्टी का नीति कार्यक्रम ओर संविधान बनाया। पार्टी ने बडे राज्यों के स्थान पर नियोजित विकास और कुशल प्रशासन की दृष्टि छोटे राज्यों की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया;

**उद्देश्य :–** घोषणा पत को जमीनी स्तर पर कितना अमलीकरण किया गया।

घोषणा – पत्र सिर्फ वादे ही रहे या जनता तक लाभ भी पहुँचा। सकारात्मक अध्ययन करना।

**भाजपा का घोषण पत्र 2004 :–**

एक विकसित राष्ट्र के रूप में भारत वर्ष 2015 तक गरीबी उन्मूलन के साथ अगले 5 वर्षो में टिकाऊ आधार पर 8 से 10 प्रतिशत की G.D.P. वृद्धि दर प्राप्त करना।

प्रत्येक राज्य और जिले के लिए अधिक प्रगति और सामाजिक विकास के सुस्पष्ट पंचवर्षीय पडाव निर्धारित किये जायेंगे।

हमारे दिशा–निर्देश सिद्धान्त रोजगार, समानता, सामाजिक न्याय, क्षैत्रीय असंतुलन और शहरी–ग्रामीण विभाजन में कमी के साथ तीव्र विकास।

अपने मेहनती किसानो और कामगारों; उद्‌यमशील व्यावसायियों और व्यापारियों, नवोन्मेषी प्रबंधको, प्रतिभाशाली वैग्यानको और समर्पित प्रशासकों पर पूरा विश्वास है।

भाजपा ने 2004 में 'साइनिंग इंड़िया' का नारा दिया था। राजग निम्न सात सूत्री रणनीति के माध्यम से भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए संकल्पबद्‌ध है।

भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में कृषि, भूमि, जल और ऊर्जा वित्त और बीमा, प्रौद्‌योगिकी, प्रशिक्षण और प्रसार सेवायें कृषि बाजार, खाद्‌य प्रसंस्करण, फसल, पशुगणना और मत्स्यपालन, कृषि श्रमिक, ग्रामीण विकास, ग्रामीण स्वच्छता पेयजल, बुनियादी, ढांचा, सडक, सम्पूर्ण सडक सम्पर्क, रेलवे, रेलवे सुधार, पतन और जहाज, हवाई अडडे और नागरिक उड्‌डयन, दुरसंचार और आईटी बुनियादी ढांचा, जल की चुनौती को पूरा करना, बिजली, उद्योग, कोयला, तेल एवं प्राकृतिक गैस, इस्पात एवं एल्यूमीनियम; खनन, कपड़ा, लघु एवं मझोले उद्योग, कुटीर उद्योग, ज्ञान अर्थव्यवस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, व्यापार एवं वाणिज्य, बैठकर बाजार योजना वैश्वीकरण, आवास, शहरी नवीकरण, अनौपचारिक क्षैत्र, स्वयं सहायता समूह, पर्यटन, घरेलू, पर्यटन, मीडिया और मनोरंजन काम, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन रणनीति, आर्थिक सुधार वित्तीय क्षैत्र सुधार, राज्य वित्त, संतुलित विकास, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण, अल्पसंख्यक, सामाजिक विकास, सभी के लिए शिक्षा सभी के लिए, स्वास्थ्य, खाद्‌य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण विकलांगों का ध्यान, बच्चे युवा, खेल, वरिष्ठ नागरिक आबादी नियंत्रण, शासन–सुधार, न्यायिक सुधार, प्रशासनिक, पुलिस, नागरिक सेवा और अन्य सुधार, चुनाव सुधार केन्द्र राज्य संबंध, पंचायतों का सशक्तिकरण, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत, सिविल सोसाइटी सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, जम्मू और कश्मीर, पूर्वोत्तर, अन्य प्रतिबद्धधताएँ, भारत और विश्व इत्यादि प्रमुख क्षैत्रों पर भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में ध्यानाकर्षित किया हालाकि भाजपा सरकार में नहीं आ सकी।

**भाजपा का घोषणा–पत्र 2009**

भाजपा 2009 का 15वां लोकसभा चुनाव एक ऐसे घोषणा–पत्र पर लड रही है जो पार्टी को परिवर्तन के उस कार्यक्रम से प्रतिबद्ध करता है जो तीन लक्ष्यो; सुशासन, विकास एवं सुरक्षा से निर्देशित है।

हमारा विशेष ध्यान राष्ट्र के युवाओं पर होगा, उनकी चिंताओं का समाधान करने पर होगा और उनकी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने में उनकी मदद करने पर होगा। हम उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान का श्रेष्ठता के माध्यम से सशक्तिकरण लाने पर जोर देंगे। हम लोगों के जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

हम अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर इसे कृषि; ग्रामीण विकास एवं संगठित तथा अनौपचारिक क्षैत्र की और उन्मूख करेंगे। युवाओं के रोजगार के पर्याप्त अवसर महंगाई घटाना तथा आधारभुत संरचना सम्बन्धी परियोजनाओं में भारी निवेश हमारी प्राथमिकता होगी।

भाजपा का मानना है कि लक्ष्यविहीन शासन तथा गवाएं गए अवसरों के बाद समय आ गया है कि ऐसी सरकार बने जिसे ''जैसी चाहते थे वैसी सरकार' कहा जा सके। हमारी प्रमुख चिंता भारत का त्वरित, समावेशी और बहुमुखी विकास एवं स्थायी वृद्धि कराना होगा। जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचे/हम ग्रामीण विकास में निवेश करेंगे, हम अर्थव्यवस्था को पुनः सशक्त बनायेंगे, हम उत्पादकता सुनिश्चित कर एवं किसानों को निश्चित आय प्रदान कर कृषि को फिर से लाभप्रद रोजगार के असंख्य अवसर पैदा कर लोगो की आजीविका को सुनिश्चित करेंगे। 2009 के घोषणा पत्र में भी भाजपा ने लोक लुभावने वादे किए थे। जैसे 100 दिन का कार्य, राष्ट्रीय पहचान, विदेशों में भारत की आवाज सूनी जायेगी लेकिन 2009 के आम चुनावों में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। कुछ 2004 के घोषणा पत्र का पुन दोहरान हुआ और समानता भी रही।

**भाजपा का घोषणा पत्र – 2014**

भाजपा ने 2014 के घोषणा पत्र में प्रमुख रूप से UPA 1, और UPA2 के शासन के दौरान के कार्य में आयी चुनौतियों को प्रमुखता दी।

गिरावट का दशक कहा गया भाजपा के अनुसर जिसमे भारत में हर प्रकार की समस्याओं से निपटने में गिरावट ही आई है– फिर चाहे वह शासन हो, आर्थिक स्थिति हो, राजनीतिक अपमान हो, विदेश नीति की असफलता हो, सीमापार घुसपैठ हो, भष्ट्राचार और घोटाले हो, या महिलाओं के साथ होने वाले अपराध हो। सरकार और संवैधानिक इकाइयों का भारी दुरूपयोग और पूर्ण अवमानना हुई। भाजपा ने कहा की हमने एक सुंदर अवसर गवा दिया और देश को पीछे धकेल दिया। लाखो करोड़ों महिला–पुरूषों को बेरोजगार कर दिया। इस प्रकार से भाजपा ने चुनौतियों के रूप में लिया।

महंगाई पर भाजपा ने विशेष जोर दिया भाजपा ने वादा किया कि जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए कड़े उपाय करना और विशेष अदालते स्थापना करना।

दाम स्थिरीकरण कोष स्थापना करना।

भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में रोजगार और उद्यमिता पर भी बल दिया 2 करोड़ हर साल युवाओ को रोजगार देने का वादा किया। भष्ट्राचार कमजोर शासन का नतीजा होता है। इसके साथ ही यह सत्ता में बैठे लोगों की पुरी नियत को भी प्रकट करता है। कांग्रेस नीत UPA सरकार में फैला सारा व्यापक भष्ट्राचार ''राष्ट्रीय संकट'' बन गया है। भाजपा ने कहा हम ऐसा तंत्र स्थापित करेंगे जो भ्रष्ट्राचार की गुंजाइस ही समाप्त कर देगा। हम इसके लिए कुछ उपाए सुझाए गए।

कालाधन पर नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था की हम विदेशों में जमा कालाधन भारत में आ गया तो हर भारतीय के खाते में 15 लाख रूपये आ सकते है। इस प्रकार से भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में टीम इंड़िया की तरह काम करके दिखायेगे। और केन्द्र राज्य संबंध भी मजबूत

होगा। इस प्रकार से ई गर्वनेस का वादा किया गया और अच्छा सुशासन की प्रतिबद्धता निभाने का वादा किया।

**2004, 2009, और 2014 के घोषणा पत्रों में निरन्तरता**

भाजपा के घोषणा–पत्रों में निरन्तर समानता भी कई बिन्दूओं पर आयी। जो निम्न प्रकार है।

कृषि, भूमि, खाद्य सुरक्षा, महिला सशक्तिरण, आवास योजना, छोटे राज्य, न्यायिक सुधार, चुनाव सुधार, पुलिस सुधार, ग्रामीण विकास, केन्द्र राज्य संबंध, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, धारा 370, राम मंदिर, गाय की सुरक्षा, राम सेतु, वन रेंक वन पेंशन इत्यादि।

**2004, 2009, और 2014 के घोषणा पत्रों में अन्तर**

तीन आम चुनावों के घोषणा–पत्रों में समय के साथ कुछ बदलाव भी आये जो निम्न है।

रेलवे सुधार, कोयला, भष्ट्राचार, कालाधन, मंहगाई, टीम इंड़िया –केन्द्र राज्य संबंध, ई–गवरर्नेस, तेल–प्राकृतिक गैस, कपड़ा उद्योग इत्यादि।

**मोदी सरकार की आम जनता से असन्तोष के कारण**

1. नोट बंदी, GST, SC/ST एक्ट में संशोधन, बेरोजगारी दर 45 वर्षो में उच्चतम स्तर पर NSSO के द्वारा, जो वादे किए उन पर खरे नहीं उतरे। सेना का राजनीतिकरण।

4. योजनाओं की भरमार लेकिन क्रियान्वयन की सही नितियों का न बनना जिससे कई योजनाओं को पूर्ण होने में 30 से 40 साल से ज्यादा का समय लग जायेगा। अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश।

9. किसानों से वादा किया था स्थामीनाथन आयोग की रिर्पोट को लागू किया जायेगा उस पर भी चुप्पी साधे रखा। किसानों से आय दूगनी करने का वादा भी चुनावी वादा ही रह गया।

10. काला धन विदेशों से लाने का वादा किया लेकिन नहीं ला पाए, रफाल घोटाला, 15 लाख देने का वादा झूनझूना बनकर रह गया।

13. राम मंदिर नहीं बना पाये और धारा 370 भी नहीं हटा पाये।

14. 5 सालों में मोबलिंचिग की घटनाओं में बढोतरी दर्ज हुई।

15. संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता घटी।

**निष्कर्ष**

भाजपा के घोषणा–पत्र का तुलनात्मक विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है की कई घोषणाएं ऐसी थी जिनका निरन्तर तीनो आम चुनावों में दोहरान हुआ, लेकिन सत्ता ये आते ही पलट गये। जिससे आम लोगों में यह धारणा बनी भाजपा भी अपने वादे से पलट गई। 2014 के चुनावों में भी कई नयी घोषणाएं हुई लेकिन बाद में पार्टी ने कहा वह तो चुनावी झुमला था। भाजपा के इन 5 सालों में तेजी से लोकप्रियता में कमी दर्ज हुई। सुप्रीम कोर्ट के जज पहली बार जनता से न्याय मांगते हुए नजर आए। CBI भी आमने–सामने पहली बार देखी गई। मोदी सरकार की विफलता के भी कई कारण रहे। इस प्रकार से तुलनात्मक विश्लेषण द्वारा कितनी घोषणाये मात्र एक चुनाव जितने का एक माध्यम बन गयी। कितनी घोषणाओं से आम जनता को लाभ हुआ यह जानने की कोशिश की गई।

UGC Journal. No. 45489 ISSN NO – 2321-5488 Impact Factor – 5.7
Vol: 6 Issue: 12 April 2019
3 - EOI10.11229/researchdirections/April19/03

सन्दर्भ सूची

1. www. bjp. org
2. www. aajtak. 2014
3. www. dainikbhaskar. e. paper. bhaskar.com
4. www. rajasthan patrika. com
5. www. m. hindi. webdunia. com
6. youtube- bhartiy janta party apr 7, 2014
7. youtube- ndtv india
8. youtube- surya samachar
9. youtube - narendra modi, apr. 7, 2014
10. www. epaper. prathkal. com
11. www. daniknavajyoti. in, epaper. navajyoti. net